

R. Nand Lal M.A. Singh Rating Scale (1)

उन्हीं कार्य-आयाजों तथा व्यवहारिक दृष्टनाओं का चयन किया जाता है जिनके बारे में दौनी-समूहों द्वारा एक ही कार्य-आयाज पर एक ही तरह के निष्पादन-स्तर की किरवारी के बारे में सहमति होती है।

(iii) व्यवहार की वैसी विशिष्ट दृष्टनाएँ ही जो के प्रत्येक आयाज पर कार्य-निष्पादन के विभिन्न स्तरों के बारे में सही-सही सूचना देती हैं।

उपरोक्त चरणों के द्वारा प्रौढान से यह स्पष्ट होता है कि BARS का निर्माण स्वयं किरवारी शुरू जदिल प्रक्रिया है जिसमें समय-चयन दौनी ही अधिक जगती है।

Beatty & Schuler (1977) ने एक महत्वपूर्ण BARS का निर्माण किया है जिसमें द्वारा उत्पादक नियंत्रण कार्य विभाग के कर्मचारियों में सहयोगिता स्वयं इतम संचार करने की क्षमता का मापन है। BARS के कुछ लाभ स्वयं परिसीमाएँ हैं। इसके प्रमुख लाभ निम्नांकित हैं:

- (a) BARS द्वारा कार्य-निष्पादन का सुव्यांजन करने में सुविधा कम होती है। क्योंकि कर्मचारी उपरोक्त स्वयं संगत कार्य-आयाज स्पष्टतः परिभाषित होते हैं तथा व्यवहारिक दृष्टनाओं द्वारा अनुचित प्रौढानों का स्पष्ट पता पर्यवेक्षक की हीरहता है।
- (b) BARS में उन कर्मचारियों की पूर्ण सहयोगिता होती है जिनकी कार्य-नुष्ठी अधिक लंबी तथा प्रखर होती है।

K. Sand M.A 4th Sem
Rating scale (2)

(i) इस प्रविष्टि में मुख्यांकन द्वारा उपलब्ध बंधी एवं श्लाघ्यता की मात्रा कम हो जाती है क्योंकि इसमें कर्मचारियों का मुख्यांकन उनके विशिष्ट कार्य-व्यवहार के आचार पर मरि उनके कर्मिक के आचार पर की जाती है।

(ii) इस प्रविष्टि में कर्मचारियों की वास्तविक शक्ति और पुनर्निर्देशन प्राप्त होता है जिसके आचार पर निष्पादन हास के शक्ति की पहचान संभव हो पाती है।

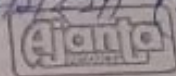
इन गुणों से ही इस प्रविष्टि इसकी मुख्य पारिशीमा है जो इस प्रकार है।

(iii) BARS की सबसे बड़ी परिसीमा यह है कि इसमें समग्र प्रयत्न एवं शक्ति अधिक मात्रा में होती है क्योंकि पूर्ण कार्य के लिए अलग-अलग BARS का निर्धारण होता है। इसकी लक्ष्यता

(iv) BARS द्वारा उन्हीं कार्यों का मुख्यांकन संभव है जिनके मुख्य तत्व और रूप से प्रदर्शनीय (observable) हैं। वैसे कार्य जिनमें मानसिक क्रियाओं के तत्व प्रबल होते हैं। जैसे नैतिक वैज्ञानिक या समाजशास्त्र के कार्य का काम होता है। उसका मुख्यांकन BARS द्वारा संभव जाना कठिन होता है।

(v) Bogumom (1979) का मत है कि इस प्रविष्टि में स्तर की कमी-कमी कर्मचारी द्वारा मरि उच्च स्तरों तथा BARS की देखी गई श्रेणी उचितरित व्यवहारों में समानता की मात्रा का निर्णय करने में काफी कठिनाई होती है।

करत संगम
उनका निर्णय भी गणन हो जाता है मरि
अनुष्ठान का नकारात्मक उपकरण की समरुमा



K. Nand M.A 1975 Spring
Rating Scale (3)

इन परिसीमाओं के हीन दूर भी BARS
को आधुनिक मनोवैज्ञानिक द्वारा अधिक
आध्यक महत्वपूर्ण समिची माना गया है, क्योंकि
इनके बीचों से यह स्पष्ट ही गया है कि
BARS द्वारा मिश्र कर नि ह्यादन मुल्कांकन
की विश्वसनीयता काफी है।